तुम स्वयंसिद्धा हो....

15941

डॉ.रुख़साना सिद्दीकी

श्रीमती उर्मि कृष्ण

निर्देशक/संपादक
कहानी-लेखन महाविद्यालय
शुभ तारिका (मासिक)

जीवन जीना और जीवन सवारना दो भिन्न बातें होती हैं । सुधढ और चतुर अपने लड्खडाते जीवन को भी खडा कर लेते हैं । प्रतिभा ईश्वरीय देन है किन्तु उसका उपयोग आपकी देन होता हैं । जीवन का हर क्षण कहानी है । रात दिन हम जिसे देखते भोगते सहते हैं वह सब कहानी बन जाता है । अंतर की यातनाएं और बाहर की वेदनाएं सब कहानी में उतार देने की क्षमता रखती है लेखिका रुखसाना सिद्दीकी । वह प्रतिभा सम्पन्न रुखसाना की कहानिंयों [illegible] अंतर्मन का हो या बाह्य वेदना [illegible] खूबी से बुना गया होता है । [illegible] पठनीय मनोरंजक ही नहीं मन में [illegible] जाता है । अपने स्वयं के जीवन [illegible] रुबरु होती रुखसाना साहित्य [illegible] कहानियों से समृद्ध कर रही है । स्त्री [illegible] हर क्षण और मन को कहानी में दर्पण [illegible] रुखसाना ने । इस कथाकार की [illegible] नही होती है, जीवन में समझौता [illegible] तो उसके संचार के लिए ही । मैं रु[illegible] हर कहानी में जुझारु नारी को [illegible] साहित्यकाश में इस लेखिका [illegible] पहचान बने, मेरी यही कामना है ।

– उर्मि कृष्ण

कृष्णदीप, ए-47, शास्त्री कॉलोनी
अम्बाला छावनी – 133001
फोन : 2620483, फेक्स : 0271-2661068

तुम स्वयंसिद्धा हो...

(कहानी संग्रह)

डॉ. रुखसाना सिद्दीकी

15५५

रचना प्रकाशन

वडोदरा (गुजरात)

- कथाकार : डॉ. रूखसाना सिद्दीकी

- प्रकाशक :

  रचना प्रकाशन

  १५, गोयागेट सोसायटी,
  शक्ति अेपार्टमेन्ट, बड़ौदा

- © सर्वाधिकार सुरक्षित : डॉ. रूखसाना सिद्दीकी

- **तुम स्वयंसिद्धा हो** : कहानी संग्रह

- संस्करण : प्रथम, अगस्त २०१२

- प्रतियाँ : ५००

- मूल्य : एक सौ पचास रूपये मात्र (१५०.००)

- मुद्रक : स्मीत प्रिन्टर्स, वड़ौदा.

Tum Swayam Siddha Ho...
By Dr. Rukhsana Siddiqui
Publisher : Rachna Prakashan, 15, Goyagate Society, Baroda.
Edition : First - 2012 Price : Rs. 150.00

समर्पण

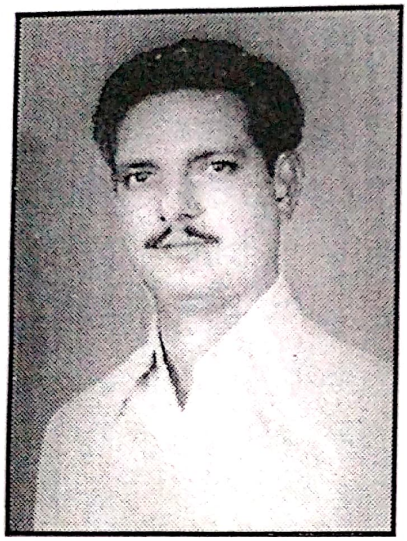

स्व. डॉ. ज़फरयार सिद्दीकी

जिनके प्रेम, सहानुभूति, संवेदना और प्रतिपल उत्साहवर्धन ने मेरे मनोजगत को ऐसी ऊर्जा प्रदान की जो आज कृति के रूप में पाठकों के समक्ष प्रेषित है । ऐसी उस दिव्य आत्मा (मेरे पति स्व. डॉ. ज़फरयार सिद्दीकी) के लिए सादर समर्पित । जो अभी भी मेरी स्मृति के रूप में मेरे जीवन का सम्बल हैं -

दर्द जब हद से गुजर जाता है ।
हर लफ्ज़ दर्द की जुवां बन जाता है ।
अय मेरे कातिल दोस्त,
तेरे अन्दाज़ की क्या तारीफ करूँ ।
ज़ख्म भी हँसता हुआ नजर आता है ।

डॉ. रूखसाना सिद्दीकी

अनुक्रमणिका

१.	और कलम रुक गई	१-१४
२.	तुम स्वयंसिद्धा हो	१५-२५
३.	ऐसा भी होता है	२६-३६
४.	पेनाल्टी	३७-४३
५.	तिज्जी	४४-५४
६.	फर्ज	५५-६३
७.	फैसला	६४-७२
८.	लास्ट टर्न	७३-८२
९.	उन्मुक्त आकाश	८३-८९
१०.	सरप्राइज	९०-९५
११.	रिश्तों की ये कैसी डोर	९६-१०३
१२.	नई सुबह	१०४-१११
१३.	तर्पण	११२-११८
१४.	सच का आइना	११९-१३०
१५.	अनाम रिश्ते	१३१-१३६

डॉ. रुखसाना सिद्दीकी

- जन्म : ०६.०७.१९६६ सागर (म.प्र.)
- शिक्षा : एम.ए.हिन्दी(प्रथम श्रेणी) बी.एड., पी.एच.डी., पत्रकारिता कोर्स डिप्लोमा,व्याख्याता

रचनात्मक लेखनः आलेख, कविता, ग़ज़ल, कहानी, लघुकथा क्षणिकाएं । साहित्यिक, सांस्कृतिक मंचों का संचालन

- प्रसारणः आकाशवाणी केन्द्र छतरपुर से वर्ष १९९८ से आलेख, कहानी परिचर्चाओं का नियमित प्रसारण
- सदस्य : आकाशवाणी केन्द्र छतरपुर में कार्यक्रम सलाहकार समिति की वर्ष २००८ से सदस्य
- सम्मान/प्रशस्ति : म.प्र आंचलिक साहित्यकार परिषद टीकमगढ़ द्वारा प्रशस्ति पत्र २००३,
- छत्तीसगढ़ द्वारा ''चंचल बा'' पुरस्कार २००३,
- म.प्र लेखक संघ टीकमगढ़ द्वारा ''साहित्य श्री'' सम्मान २००४,
- म.प्र राष्ट्रभाषा प्रचार समिति जिला शाखा टीकमगढ़ द्वारा सम्मानित २००६,
- जिला शिक्षा केन्द्र टीकमगढ़ द्वारा प्रशस्ति पत्र भेंट २००७--२००८,
- शिक्षाविद स्व. प्रेमनारायण रुसिया स्मृति सम्मान २००९,
- नारी अस्मिता पत्रिका द्वारा अखिल भारतीय विमल स्मृति कहानी पुरस्कार २०१०,
- पूर्वोत्तर हिन्दी अकादमी शिलांग द्वारा डॉ. महाराज कृष्ण जैन स्मृति सम्मान २०१०,
- भारतीय दलित साहित्य अकादमी नई दिल्ली द्वारा डॉ. भीमराव आम्बेडकर नेशनल फैलोशिप अवार्ड २०१०,
- अखिल भारतीय लेखक सम्मान समारोह पूर्वोत्तर हिन्दी अकादमी शिलांग द्वारा जीवन राम मुंगी देवी गोचन का स्मृति सम्मान २०११,
- नेशनल यूथ एसोसियेशन नागपुर द्वारा मौलाना अब्दुल कलाम आज़ाद नेशनल अवार्ड २०११
- तंजीम बज़्में अदब टीकमगढ़ द्वारा मंज़र अवार्ड २०११
- डॉ. कुमुद टिक्कू लघुकथा प्रतियोगिता (राजस्थान) में प्रथम पुरस्कार २०११,
- प्रकाशनः अभी लम्बा है सफर, काव्य संग्रह में ग़ज़ल, नजम, कविता, कथा बोध, हम सब साथ साथ, अहल्या, नारी अस्मिता, बाल साहित्य समीक्षा, ओजस्विनी, जगमग दीपज्योति, अक्षरा समावर्तन, बाल प्रहरी, नई दिशा, जर्जरकश्ती, शुभतारिका, शहर की आवाज, दैनिक भास्कर, नव भारत आदि में रचनाएं एवं शोध आलेख प्रकाशित ।

संपर्क: सफर मंजिल, ईदगाह के पास,
सिविल लाइन रोड, टीकमगढ़, म.प्र. ४७२ ००१.